Rizwan

Package of Practice

Particular	English	Hindi
Crop	**Watermelon**	**Watermelon**
Season/Region	Late Winter, Early Summer, Summer as per Truthful Label.	देर से सर्दी, शुरुआती गर्मी, सत्यनिष्ठ लेबल के अनुसार गर्मी।
Land preparation	Land selection - Soils with good nutrition (medium soil, loam to sandy loam). The soil must be having excellent drainage history. If possible use the land with a previous crops other than cucurbitaceae. Land should be well prepared. 1-2 deep ploughing followed by 3-4 rounds of harrows to get fine tilt. Before the final harrow, apply 8 to 10 MT well-decomposed FYM/acre along with 1kg Trichoderma for controlling soil-born fungus.	भूमि का चयन - अच्छी पोषण क्षमता वाली मिट्टी (मध्यम मिट्टी, दोमट से रेतीली दोमट)। मिट्टी का जल निकासी का इतिहास उत्कृष्ट होना चाहिए। यदि संभव हो, तो कद्दूवर्गीय फसलों के अलावा अन्य फसलों वाली भूमि का उपयोग करें। भूमि को अच्छी तरह से तैयार किया जाना चाहिए। 1-2 गहरी जुताई के बाद, अच्छी जुताई के लिए 3-4 बार हैरो चलाएँ। अंतिम हैरो चलाने से पहले, मिट्टी जनित कवक को नियंत्रित करने के लिए 8 से 10 मीट्रिक टन अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर की खाद/एकड़ के साथ 1 किलोग्राम ट्राइकोडर्मा डालें।
Seed rate & Method	Seed Rate: 300 - 350 g per acre. Sowing: Direct in the main field (it can also be transplanted. Seedlings at 4 leaves or 20 days old are planted).	बीज दर: 300 - 350 ग्राम प्रति एकड़। बुवाई: मुख्य खेत में सीधे (इसे रोपा भी जा सकता है। 4 पत्तियों या 20 दिन पुराने पौधे रोपे जाते हैं)।
Spacing	Spacing: Row to Row and Plant to Plant – 120 × 30 cm (Single Row) or 240 × 30 cm (Double Row).	अंतर: पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे - 120 × 30 सेमी (एकल पंक्ति) या 240 × 30 सेमी (दोहरी पंक्ति)।
Harvest	Harvest the fruit at the time of physiological maturity. Date of maturity or days after sowing(~85-90 days) The maturity of watermelon can be judged by the following steps: 1. A dead tendril attaches to the vine, 2. Dull appearance of the fruit compared to their slick appearance, 3. Maturity is also judged by metallic sounds, 4. After harvesting fruits should not be left long in the sun otherwise sun scaled may develop.	फलों की कटाई शारीरिक परिपक्वता के समय करें। परिपक्वता तिथि या बुवाई के कुछ दिन बाद (लगभग 85-90 दिन) तरबूज की परिपक्वता का अंदाजा निम्नलिखित चरणों से लगाया जा सकता है: 1. एक मृत प्रतान बेल से जुड़ जाता है, 2. फलों का चिकनापन की तुलना में फीका दिखना, 3. धातु की आवाज़ से भी परिपक्वता का अंदाजा लगाया जा सकता है, 4. कटाई के बाद फलों को धूप में ज़्यादा देर तक नहीं छोड़ना चाहिए, अन्यथा उन पर सनस्केल पड़ सकते हैं।
Nutrient Management	Total N:P:K requirement @ 80:100:120 kg per acre. Dose & Timing: Basal Dose: Apply 50% N and 100% P, K as basal dose during final land preparation. Top Dressing: 25% N at 30 days after sowing and 25% N at 50 days after sowing.	कुल नाइट्रोजन: फास्फोरस: पोटेशियम की आवश्यकता 80:100:120 किग्रा प्रति एकड़। मात्रा एवं समय: आधारभूत मात्रा: अंतिम भूमि तैयारी के दौरान 50% नाइट्रोजन और 100% फास्फोरस, पोटेशियम की आधारभूत मात्रा डालें। टाप ड्रेसिंग: बुवाई के 30 दिन बाद 25% नाइट्रोजन और बुवाई के 50 दिन बाद 25% नाइट्रोजन डालें।
Pest & Disease management	For effective Diseases & Pest control apply fungicide as per recommendation from the Department of Agriculture (plant protection) to control Damping off, Downey Mildew, Powdery Mildew and other fungal diseases. Apply recommended insecticide to control sucking pests, fruit flies, and any other insects. Insecticide spray should not be done at the flowering stage (30 - 50Days) to enable honeybee activities for pollination. For watermelon crop leaf minor, thrips, and the fruit fly are major insects. While Downy Mildew, Powdery Mildew, Wilt, Anthracnose, and Gummy Stem Blight are the major diseases. Timely control of insects and diseases will help to achieve excellent crop growth. Do not spray during the peak pollination period.	प्रभावी रोग एवं कीट नियंत्रण के लिए, कृषि विभाग (पौध संरक्षण) की अनुशंसा के अनुसार डैम्पिंग ऑफ, डाउनी मिल्ड्यू, पाउडरी मिल्ड्यू और अन्य कवक रोगों को नियंत्रित करने के लिए कवकनाशी का प्रयोग करें। चूषक कीटों, फल मक्खियों और अन्य कीटों को नियंत्रित करने के लिए अनुशंसित कीटनाशक का प्रयोग करें। परागण के लिए मधुमक्खियों की गतिविधियों को सक्षम करने हेतु पुष्पन अवस्था (30-50 दिन) के दौरान कीटनाशक का छिड़काव नहीं करना चाहिए। तरबूज की फसल के लिए लीफ माइनर, थ्रिप्स और फल मक्खी प्रमुख कीट हैं। डाउनी मिल्ड्यू, पाउडरी मिल्ड्यू, विल्ट, एन्थ्रेक्नोज और गमी स्टेम ब्लाइट प्रमुख रोग हैं। कीटों और रोगों का समय पर नियंत्रण उत्कृष्ट फसल वृद्धि प्राप्त करने में मदद करेगा। परागण की चरम अवधि के दौरान छिड़काव न करें।
Weed Control - Chemicals with doses and timing	Timely weed removal is very important, need based hand weeding can be done to ensure healthy crop. To complete this operation before fruit set.	समय पर खरपतवार निकालना बहुत ज़रूरी है, स्वस्थ फसल सुनिश्चित करने के लिए ज़रूरत के अनुसार हाथ से निराई की जा सकती है। फल लगने से पहले यह काम पूरा कर लें।
Irrigation Schedule	It needs regular irrigation. The irrigation interval and quantity need to fix to avoid fruit cracking. In light soil and summer season, the irrigation frequency should be more.	इसे नियमित सिंचाई की आवश्यकता होती है। फलों को फटने से बचाने के लिए सिंचाई के अंतराल और मात्रा को निश्चित रखना आवश्यक है। हल्की मिट्टी और गर्मी के मौसम में, सिंचाई की आवृत्ति अधिक होनी चाहिए।